कानपुर नगर निगम

मा0 नगर निगम (सदन) की स्थगित बैठक का कार्यवृत्त

दिनांक 29.07.2015 (बुद्धवार)

पूर्वान्ह 11–00 बजे

स्थानः नगर निगम सदन सभागार, मोतीझील, कानपुर

कार्यालय सचिव नगर निगम,
नगर निगम, कानपुर

पत्र संख्याः डी/107/सचिव (न.नि.)/15–16 दिनांक : 04.08.2015

सेवामें

श्री/श्रीमती/सुश्री.....,

मा0 पार्षद वार्ड सं0...../नाम निर्दिष्ट सदस्य/पदेन सदस्य,
नगर निगम, कानपुर।

महोदय/महोदया,

नगर निगम (सदन) की दिनांक 29.07.2015 दिन बुद्धवार पूर्वान्ह 11.00 बजे स्थगित बैठक का कार्यवृत्त आपकी सेवा में संलग्न कर प्रेषित है।

संलग्नकः कार्यवृत्त पृष्ठ संख्या 1 से 06 तक।

(राम बली पाल)
सचिव
नगर निगम,कानपुर

प्रतिलिपिः

1. नगर आयुक्त महोदय की सेवा में संज्ञानार्थ।
2. अपर नगर आयुक्त (प्रथम/द्वितीय) महोदय को सूचनार्थ।
3. समस्त विभागाध्यक्ष/विभागाधिकारी को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु।

सचिव
नगर निगम,कानपुर

दिनांक–29-07-2015 दिन शुक्रवार को पूर्वान्ह 11:00 बजे मोतीझील परिसर स्थित नगर निगम सभागार में सम्पन्न हुई सदन की बैठक का कार्यवृत्त

उपस्थिति

श्री जगत वीर सिंह द्रोण	**महापौर / अध्यक्ष**
श्री मदन लाल	पार्षद / सदस्य
श्रीमती लाली गुप्ता	पार्षद / सदस्य
श्री ओमप्रकाश वाल्मीकि	पार्षद / सदस्य
श्री बीरबल सिंह	पार्षद / सदस्य
श्रीमती चित्ररेखा पाण्डेय	पार्षद / सदस्य
श्री महेन्द्र पाण्डेय "पप्पू"	पार्षद / सदस्य
श्री अतुल त्रिपाठी	पार्षद / सदस्य
श्रीमती लक्ष्मी कनौजिया	पार्षद / सदस्य
श्री सुमित कुमार सरोज	पार्षद / सदस्य
सुश्री नमिता कनौजिया	पार्षद / सदस्य
श्रीमती विजय लक्ष्मी	पार्षद / सदस्य
श्रीमती गीता देवी	पार्षद / सदस्य
श्री बाबूराम सोनकर	पार्षद / सदस्य
श्री संजय लाल बाथम	पार्षद / सदस्य
श्री हरिश्चन्द्र	पार्षद / सदस्य
श्री सुनील कुमार कनौजिया	पार्षद / सदस्य
श्री गिरीश चन्द्र	पार्षद / सदस्य
श्रीमती शशि सुरेन्द्र जायसवाल	पार्षद / सदस्य
श्री राजेन्द्र प्रसाद कटियार	पार्षद / सदस्य
श्रीमती शकुन्तला गुप्ता	पार्षद / सदस्य
श्री आदित्य शुक्ला	पार्षद / सदस्य
श्रीमती उत्तम	पार्षद / सदस्य
श्रीमती रश्मि शाह	पार्षद / सदस्य
श्री आबिद अली	पार्षद / सदस्य
श्रीमती आशा तिवारी	पार्षद / सदस्य
श्री आशुतोष त्रिपाठी	पार्षद / सदस्य
श्री संजय यादव	पार्षद / सदस्य
श्री अशोक चन्द्र तिवारी	पार्षद / सदस्य
श्रीमती पूनम राजपूत	पार्षद / सदस्य
श्री राज किशोर	पार्षद / सदस्य
श्री कौशल कुमार मिश्रा	पार्षद / सदस्य
श्री विप्लव भट्टाचार्य	पार्षद / सदस्य
श्री लक्ष्मी शंकर राजपूत	पार्षद / सदस्य
श्री कमल शुक्ल "बेबी"	पार्षद / सदस्य
श्री अब्दुल कलाम	पार्षद / सदस्य
श्री आलोक दुबे	पार्षद / सदस्य
श्री निर्देश सिंह चौहान	पार्षद / सदस्य
श्रीमती गीता जायसवाल	पार्षद / सदस्य
श्रीमती सन्नों कुशवाहा	पार्षद / सदस्य

ह0.....महापौर

डा0 नीना अवस्थी	पार्षद / सदस्य
श्री सुरजीत सचान	पार्षद / सदस्य
श्री राजेश कुमार सिंह	पार्षद / सदस्य
श्री धीरेन्द्र कुमार त्रिपाठी	पार्षद / सदस्य
श्री विनय अग्रवाल	पार्षद / सदस्य
श्रीमती आशा तिवारी	पार्षद / सदस्य
श्री योगेन्द्र कुमार कुशवाहा 'योगी'	पार्षद / सदस्य
श्री आदर्श	पार्षद / सदस्य
श्री कैलाश पाण्डेय	पार्षद / सदस्य
श्री राकेश साहू	पार्षद / सदस्य
श्री नवीन पण्डित	पार्षद / सदस्य
श्री मनीष शर्मा	पार्षद / सदस्य
श्रीमती नीलम चौरसिया	पार्षद / सदस्य
श्रीमती पूनम द्विवेदी	पार्षद / सदस्य
श्री महेन्द्र प्रताप सिंह	पार्षद / सदस्य
श्री जितेन्द्र कुमार सचान	पार्षद / सदस्य
श्रीमती आशा सिंह	पार्षद / सदस्य
श्रीमती परमजीत कौर	पार्षद / सदस्य
श्री पंकज सचान	पार्षद / सदस्य
श्री सुशील तिवारी	पार्षद / सदस्य
श्रीमती जरीना खातून	पार्षद / सदस्य
श्री कमलेश	पार्षद / सदस्य
श्रीमती रानू बाजपेई	पार्षद / सदस्य
श्री सत्येन्द्र मिश्रा	पार्षद / सदस्य
श्रीमती रीता शास्त्री	पार्षद / सदस्य
श्री वीरेन्द्र कुमार शर्मा	पार्षद / सदस्य
श्री अब्दुल जब्बार	पार्षद / सदस्य
श्रीमती जानकी वर्मा	पार्षद / सदस्य
श्री अमित कुमार मेहरोत्रा 'बबलू'	पार्षद / सदस्य
श्री आमोद	पार्षद / सदस्य
श्री अशोक कुमार दीक्षित	पार्षद / सदस्य
श्री हाजी सुहैल अहमद	पार्षद / सदस्य
श्री कैलाश नाथ पाण्डेय	पार्षद / सदस्य
श्री अभिषेक गुप्ता 'मोनू'	पार्षद / सदस्य
मो0 इरफान खान	पार्षद / सदस्य
श्री रमापत झुनझुनवाला	पार्षद / सदस्य

नाम निर्दिष्ट सदस्य

श्री शैलेन्द्र मिश्रा	
श्री अब्दुल वासिद	
श्री शशीभाल शुक्ला	
श्री मुन्सिफ अली रिजवी	
श्री चन्द शेखर यादव	

पदेन सदस्य

श्री अरूण कुमार पाठक	स0वि0परिषद

अधिकारीगण

श्री विनोद कुमार गुप्ता	अपर नगर आयुक्त
श्री राकेश कुमार गुप्ता	अपर नगर आयुक्त
श्री अजय प्रताप सिंह	मुख्य वित्त एवं लेखाधिकारी
श्री तरूण कुमार शर्मा	मुख्य अभियन्ता
श्री आर.एम. अस्थाना	मुख्य अभियन्ता वि. / याँ
श्री जवाहर राम	महाप्रबन्धक जलकल
श्री ए.के. शुक्ला	वित्त अधिकारी, जलकल विभाग

ह0.....महापौर

राष्ट्रीय गीत (वन्देमातरम्) गायन के पश्चात बैठक की कार्यवाही प्रारम्भ हुई।

सर्वप्रथम अध्यक्ष ने कहा कि पूर्व से आज की तिथि में सदन (निगम) की बैठक निर्धारित थी, परन्तु कौन जानता था कि आज की बैठक में ऐसे महापुरूष का शोक प्रस्ताव प्रस्तुत होकर शोक सभा श्रद्धांजलि में परिणति होगी। मरहूम डा0 अबुल पाकिर जैनुलआब्दीन अब्दुल कलाम जो भारतीयता के प्रतिमान तथा विज्ञान के शीर्ष में पहुँच कर भारतीय सेनाओं के सेनाध्यक्ष के रूप में राष्ट्रपति बने, अब हमारे बीच नही रहे। संयोग है कि हम यहाँ उनके निधन पर मातम मना रहे है और उन्हें उनके पैतृक निवास रामेश्वरम् में सुपुर्द–ए–खाक किये जाने की तैयारी की जा रही है। डा0 कलाम युवाओं–बच्चों के शिक्षक के रूप में प्रणेता, असहाय एवं गरीबों के मसीहा के निधन से देश को ऐसी क्षति हुई है, जिसकी पूर्ति शीघ्र सम्भव नही है। मैने उनका व्यक्तित्व देखा व परखा भी है। सहज व सरल स्वभाव तथा देश प्रेम उनके कृतित्व से परिलक्षित हुआ। वर्ष 1998 के पोखरण परमाणु परीक्षण कार्यक्रम की सफलता से ज्ञान की परिपक्वता भी देश के समक्ष सिद्ध हुई। मार्गदर्शक/शिक्षक के रूप में छोटे–छोटे बच्चों के स्कूल जाकर उनसे सवाल–जवाब करते हुये देश को शिखर पर पहुँचाने हेतु बच्चों को सपने देखने को प्रेरित करते थे। कल भी सिलांग में धरती के सृजन पर व्याख्यान दे रहे थे, उसी समय हृदयघात पड़ने से निधन हुआ। जिससे देश आज स्तब्ध रह गया है। डा0 कलाम अपने वेतन से रामकृष्ण विद्यालय को अंशदान भी दिया करते थे। हम सबको सदा राजनीति भी सिखाई, उनका कथन था कि **"वर्तमान ही भविष्य का इतिहास बनता है"**। उनके आदर्श एवं सिद्धान्त को अंगीकृत करने से ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। आज की बैठक ऐसे देश के सच्चे सपूत व महान वैज्ञानिक को हृदय से श्रद्धांजलि देने के पश्चात् स्थगित कर दी जायेगी। वैसे आज लखनऊ में कानपुर स्मार्ट सिटी मिशन के तहत स्मार्ट सिटी के चयन हेतु प्रदेश के सभी नगर निगमों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक आहूत की गई है। चूँकि पूर्व से आज के सदन की बैठक की कार्यसूची एवं तिथि निर्धारित थी, अतः मैं बैठक में प्रतिभाग नही कर सका। सभी सदस्यों से अपेक्षा है कि दिवंगत आत्मा की शांति हेतु अपने विचार व्यक्त करते हुये चित्र पर क्रमशः एक–एक कर पुष्प के साथ श्रद्धांजलि अर्पित कर अपना–अपना स्थान गृहण करने का कष्ट करें। सभी सदस्यों को यह भी अवगत कराना चाहता हूँ कि विधि का विधान है कि मरहूम पूर्व राष्ट्रपति डा0 कलाम जी के बड़े भाई, जो 99 वर्ष के है, अभी भी जीवित है।

श्री अरूण कुमार पाठक, मा0 सदस्य विधान परिषद ने कहा कि डा0 कलाम ऐसे महापुरूष, जिसे सबने अपना टीचर माना, जिनके जीवन में सरलता छलकती थी। छात्रों व युवकों के कार्यक्रमों को वह प्राथमिकता व प्रधानता देते रहे है। जैसा कि वह निधन से पूर्व सिलांग में भी व्याख्या दे रहे थे। भारत वर्ष के युवाओं के लिये बलिदान कर गये। उनकी विशिष्टता के लिये श्रद्धांजलि ज्ञापित करता हूँ।

ह0.....महापौर

श्री कमल शुक्ल "बेबी" ने कहा कि डा0 कलाम के निधन से पूरा देश दुखी है। इस दुख की घड़ी में महान् राष्ट्रपति (वर्ष 2002–2007), जिनका यादगार कार्यकाल रहा। मिसाइल मैन बच्चों के चहेते की आत्मशांति तथा परिवार को दुखः सहन करने की क्षमता प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना करता हूँ। साथ ही माँग करता हूँ कि सभागार में अन्य महापुरूषों के साथ पूर्व राष्ट्रपति डा0 कलाम का भी चित्र लगाया जाये। बच्चों को शिक्षा देते हुये हृदय गति रूकने के कारण निधन उनकी कर्मठता को दर्शाता है। मिसाइल जनक ने अमेरिका, रूस, जापान, चीन तथा फ्रांस ऐसे विकसित राष्ट्रों की श्रेणी में भारत वर्ष को सम्मिलित कराया है। ऐसे वैज्ञानिक के बताये हुये रास्ते पर चलना ही सच्ची श्रद्धांजलि होगी। ऐसी शख्सियत को हृदय से नमन करता हूँ।

श्री आदर्श दीक्षित ने कहा कि बड़े दुःख का विषय है कि आज प्रशिक्षक, विद्यार्थियों के प्ररेणाश्रोत हमारे बीच नही रहे। डा0 कलाम ने गरीबी में संघर्ष करते हुये चिन्नई आई.आई.टी. से अपनी शिक्षा पूर्ण करने के पश्चात् इसरों में अपनी वैज्ञानिक पहचान बनाई। राष्ट्रपति बनने के पश्चात् जनता के लिये राष्ट्रपति भवन के दरवाजे सदैव खुले रखे। इनके निधन से देश को गहरी क्षति हुई है। मैं माँग करता हूँ कि इनके मूल निवास रामेश्वरम् को स्मार्ट सिटी क्लब में चयनित किया जाये।

श्री अशोक चन्द्र तिवारी ने कहा कि मरहूम पूर्व राष्ट्रपति डा0 कलाम, जो मिसाइल मैन के नाम से प्रख्यात थे, के अचानक निधन पर देश को हुई क्षति का वर्णन नही किया जा सकता है। गरीबी में जीवन यापन करते हुये कठिन परिश्रम, लगन व निष्ठा से स्वयं को फर्श से अर्श पर पहुँचाया तथा लक्ष्य को पाने के लिये जागते हुये सपनों को देख कर कार्यरूप में परिणित करने वाले को मैं कॉंग्रेस दल की ओर से शत् शत् नमन व श्रद्धांजलि देता हूँ।

श्री सत्येन्द्र मिश्र ने कहा कि आज नगर निगम सभागार में मरहूम पूर्व राष्ट्रपति डा0 ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के निधन पर श्रद्धांजलि सभा हो रही है। डा0 कलाम सदैव समान भाव से सभी से मिलने व व्यवहार करने के लिये जाने जाते रहे है। इन्होंने देश को शीर्ष पर पहुँचाने का जो संकल्प लिया उसे अपने व्यक्तित्व व कृतित्व से परिलक्षित भी किया। उनकी सरलता व सहजता का उदाहरण देना चाहता हूँ– मेरे वार्ड–89 स्थित सर पद्मपत सिंहानिया विद्यालय के कार्यक्रम में एक बार डा0 कलाम जी आये और बच्चों से मिलकर उनसे प्रश्न पूछे तथा उनके द्वारा पूछे गये प्रश्नों का उत्तर भी दिया। इनके आदर्शो के कारण इनका नाम चिरकाल तक लिया जायेगा। हम सभी के ऐसे शख्स के बताये मार्ग पर चलने पर उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी। मैं भा.ज.पा. पार्षद दल नेता के रूप में हृदय से श्रद्धांजलि ज्ञापित करता हूँ।

श्री हाजी सुहेल अहमद ने कहा कि **"यूँ तो आये है दुनिया में सभी लोग मरने के लिये पर कुछ का मरना हो जाता है, जीना जमाने के लिये"** पूर्व राष्ट्रपति बेमिसाल अजीब शख्सीयत देश की आम धरोहर डा0 ए.पी.जे. अब्दुल कलाम दुनिया को छोड़कर चले गये। मिसाइल मैन के नाम से विख्यात सबसे प्यार करने वाले, सादगी भरा जीवन जीने वाले जो मरहूम हो गये, उन्होंने कहा कि **सपने वह नही होते जो सोते समय देखे जाते है,**

ह0.....महापौर

सपने वह होते है, जो सोने नही देते। आज भारत ही नही दुनिया के मुल्क उनके निधन से दुखी है। कुछ बनना है तो उनके नक्शे कदम पर चलकर धैर्य, त्याग तथा शांति पथ पर अग्रसर हो। इनके निधन से हुई क्षति की भरपाई नही की जा सकती है। दुःख की घड़ी में स.पा. पार्षद दल की ओर से मैं श्रद्धांजलि देता हूँ।

श्री नवीन पण्डित ने कहा कि भारत के सपूत को प्रणाम। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि जैसे अपने परिवार का कोई चला गया है। कानपुर का एक–एक बच्चा दुखी है। महानगर की 40 लाख जनता की तरफ से मैं श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

श्री मनीष शर्मा ने कहा कि हम सभी डा0 कलाम की सादगी, विज्ञान के क्षेत्र, बच्चों के प्रेम तथा ईमानदारी के प्रति आज चिन्तन करते हुये उनकी याद में श्रद्धांजलि सभा कर रहे है। पूरा देश ऐसे व्यक्ति के निधन पर शोकाकुल है। मैं भी हृदय से भावपूर्ण रूख्सती की विदाई देता हूँ।

श्रीमती रीता शास्त्री ने कहा कि डा0 ए.पी.जे. अब्दुल कलाम, जो न हिन्दू थे न मुसलमान वो थे सच्चे इंसान, उनके निधन पर हृदय से सम्मान।

श्री धीरू त्रिपाठी ने कहा कि महान कर्मयोगी, वैज्ञानिक तथा समाज चिन्तक के निधन पर देश शोकाकुल है और हम सभी भी डा0 कलाम जी की वजह से आज देश विश्व के अग्रणी देशों में खड़ा है। उनकी सोच से वर्ष 2020 तक भारत विकसित राष्ट्रों में खड़ा हो सकेगा, ऐसा उनकी लिखित पुस्तक में उदृत है। मैं भावपूर्व श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

श्री सुमित सरोज ने कहा कि डा0 कलाम द्वारा कहा गया है कि भ्रष्टाचार हटाने में माता–पिता एवं शिक्षक की विशेष भूमिका होती है। यदि सच्चे मन से प्रयास किया जाये तो समाज को इससे छुटकारा मिल सकता है। इस कथन से शिक्षक के रूप में प्रदर्शित हुये, दया का स्वभाव उनके जीवन की कई घटनाओं में दिखा। मैं उन्हें हृदय से श्रद्धांजलि देता हूँ।

श्रीमती पूनम द्विवेदी ने कहा कि डा0 कलाम ने अपने कृतित्व व व्यक्तित्व से भारत के सच्चे सपूत होने को साबित कर दिया। शिक्षक/मार्गदर्शक के रूप में बच्चों को बताया कि **नींद में जो सपने देखे जाते है वह सपने नही होते, सपने वह होते है जिनसे नींद नही आती।**

श्री आशुतोष त्रिपाठी ने कहा कि किसी भी क्षेत्र में कोई भी अपने कर्म से नाम रोशन कर सकता है। डा0 कलाम जी ज्ञान–विज्ञान के क्षेत्र में बिना किसी धर्म के आड़े आये स्वयमेव शिखर पर पहुँचे। सदन के माध्यम से माँग करता हूँ कि ऐसे महान सपूत को श्रद्धांजलि हेतु फूलबाग चौराहे का नाम डा0 ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के नाम से किया जाये।

श्री ओम प्रकाश बाल्मिकि ने कहा कि डा0 कलाम ने दुनिया को दिखा दिया कि भारत क्या चीज है पोरखरन विस्फोट कर देश को शिखर पहुचाने के लिये उन्हे श्रद्धांजलि देता हूँ।

श्री योगेन्द्र कुशवाहा, श्रीमती नीना अवस्थी एवं श्री मुंसिफ अली रिजवी ने भी डा0 ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के निधन पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

ह0.....महापौर

श्री राकेश कुमार गुप्ता अपर नगर आयुक्त ने डा0 कलाम की समय की पाबंदी व सरलता–सौम्यता के प्रति उदाहरण देते हुये बताया कि वर्ष–2003 में जब मैं नगर निगम गोरखपुर में सहायक नगर आयुक्त के पद पर आसीन था, तत्समय डा0 कलाम जी का गोरखपुर नगर निगम में एक कार्यक्रम प्रायोजित था, जिसमें मुझे डा0 कलाम को रिसीव कर नगर निगम तक पहुँचाने की जिम्मेदारी दी गई थी। सुबह 07:00 बजे पूर्व राष्ट्रपति ने मुझसे पूछा कि आपका क्या नाम है और आप किस विभाग से है। मैंने उनकों अपना परिचय बताया। कार्यक्रम से वापसी के एक सप्ताह पश्चात् नगर आयुक्त व मेरे नाम से मरहूम राष्ट्रपति द्वारा सहयोग के लिये धन्यवाद् का आभार पत्र भेजा गया, यह उनकी महानता को दर्शाता है। मैं पूर्व राष्ट्रपति डा0 ए.पी.जे. अब्दुल कलाम को हृदय से नमन कर श्रद्धांजलि देता हूँ।

अध्यक्ष ने कहा कि हिन्दू–मुस्लिम बच्चे–बूढ़े सभी शोक संतप्त है। ऐसे सच्चे सपूत कर्मयोगी डा0 ए.पी.जे. अब्दुल कलाम के निधन होने पर शोक प्रस्ताव पढ़ रहा हूँ। तत्पश्चात् दिवंगत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना करते हुये सभी सदस्य डा0 कलाम के चित्र पर क्रमशः पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि ज्ञापित करेंगे।

शोक–सन्देश

अत्यन्त दुःख का विषय है कि दिनांक–27.07.2015 को पूर्व महामहिम राष्ट्रपति और प्रख्यात वैज्ञानिक अबुल पाकिर जैनुलआब्दीन अब्दुल कलाम जी का आकस्मिक निधन हो गया है।

अतः इस दुःख की घड़ी में कानपुर नगर निगम के हम सभी पार्षदगण, अधिकारी एवं कर्मचारीगण हार्दिक संवेदना व्यक्त करते है तथा ईश्वर से प्रार्थना करते है कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करते हुए शोक संतप्त परिवार को इस दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

राष्ट्रगान के पश्चात् अध्यक्ष द्वारा बैठक की कार्यवाही स्थगित की गई।

ह0.....

(जगतवीर सिंह द्रोण)

महापौर / अध्यक्ष

ह0.....महापौर